उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

ज्योतिष-वास्तुविभागः

ऑनलाइन/ ऑफलाइन एक वर्षीय पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष पाठ्यक्रम

(Online/ Offline One Year P.G. Diploma Jyotish Course)

(2026-27 प्रभावी)

प्रथम सत्र (1th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **प्रथम पत्र CC-01** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

प्रथम पत्र CC-01	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्य विषय**	**अङ्क**
1	ज्योतिषशास्त्र परिचय	15
2	ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता	15
3	ज्योतिष एवं विज्ञान	15
4	ज्योतिष एवं कर्म	15
5	ज्योतिष शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

प्रथम सत्र (1th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **द्वितीय पत्र CC-02** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

द्वितीय पत्र CC-02	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्यविषय**	**अङ्क**
1	सौर परिवार का सामान्य परिचय , पञ्चाङ्ग परिचय	15
2	नक्षत्र एवं राशिचक्र परिचय	15
3	समयज्ञान, मानक समय, स्थानीय समय	15
4	सूर्योदय, सूर्यास्त, दिनमान साधन	15
5	इष्टकाल,भयात, भभोग साधन	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

प्रथम सत्र (1th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **तृतीय पत्र CC-03** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

तृतीय पत्र CC-03	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्यविषय**	**अङ्क**
1	जन्म कुण्डली चक्र निर्माण	15
2	स्पष्टग्रह साधन, चन्द्रस्पष्ट साधन, लग्नस्पष्ट साधन	15
3	दशम लग्न साधन, ससन्धि द्वादश भाव साधन	15
4	चलित चक्र निर्माण, सुदर्शन कुण्डली निर्माण	15
5	षडवर्ग साधन	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

प्रथम सत्र (1th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **चतुर्थ पत्र CC-04** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

चतुर्थ पत्र CC -04	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्य विषय**	**अङ्क**
1	ग्रहों स्वरूप, ग्रहों के उच्च-नीच एवं मूलत्रिकोण राशियां।	15
2	ग्रह दृष्टि विचार,पाद दृष्टि एवं पूर्ण दृष्टि	15
3	ग्रह मैत्री विचार (तात्कालिक, नैसर्गिक एवं पञ्चधा)	15
4	राशियों के गुण धर्म एवं स्वामी	15
5	चर स्थिर कारक ग्रह विचार	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

प्रथम सत्र (1th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **पञ्चम पत्र CC-05** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

पञ्चम पत्र CC -05	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्य विषय**	**अङ्क**
1	भावविचार, भाव संज्ञा, द्वादशभावस्थ ग्रहफल विचार	15
2	लघु पाराशरी के अनुसार भावफल विचार	15
3	आयु विचार, राजयोग विचार	15
4	नीच भङ्गराजयोग विचार	15
5	ग्रहों का योग कारकत्व विचार	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन के 25 अङ्कों का विभाजन निम्नवत है -

1. आन्तरिक प्रशिक्षण/प्रदत्त नियत कार्य = 10
2. शास्त्र सम्बन्ध सङ्गोष्ठी/शास्त्र परिचर्चा = 5
3. शिक्षणस्रोत सामग्री चयन और प्रबन्धन = 5
4. उपस्थिति – 75%=1 अंक, 76-80%=2अंक,
   81-85%=3अंक, 86-90%=4अंक,
   91% से अधिक =5अंक।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. भारतीय ज्योतिष – नेमिचन्द शास्त्री
2. भारतीय ज्योतिष – शिवनाथ झारखण्डी
3. भारतीय कुण्डली विज्ञान लेखक- मीठा लाल हिमन्तराम ओझा
4. ज्योतिष पीयूष- म.म. पं. कल्याणदत्त शर्मा
5. लघुजातक – आचार्य वरामिहिर
6. लघु पाराशरी- चौखम्बा प्रकाशन
7. ताजिक नीलकण्ठी – आचार्य नीलकण्ठ
8. श्री केदार मानस पञ्चाङ्ग / अन्य पञ्चाङ्ग

ऑनलाइन/ ऑफलाइन एक वर्षीय पी.जी. डी. ज्योतिष पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (2th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **षष्ठ पत्र CC-06** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

षष्ठ पत्र CC-06	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्य विषय**	**अङ्क**
1	कालपुरूष के अंग विचार	15
2	ग्रहों के आत्मादि एवं राजादि विभाग विचार	15
3	बालारिष्ट योग विचार	15
4	जातक के विविध योग- अन्धयोग, काणयोग, खंजयोग, वामनयोग, मूकयोग, वधिरयोग, क्लीवयोग, श्रीनाथयोग, गजकेसरी योग, पञ्चमहापुरूष योग, अमला योग	15
5	सूर्य एवं चन्द्र कृत शुभाशुभ योग	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

द्वितीय सत्र (2th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **सप्तम पत्र CC-07** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

सप्तम पत्र CC-07	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्यविषय**	**अङ्क**
1	द्वादश भाव फल विचार	15
2	सूर्य, चन्द्र, मंगल ग्रहों से गोचरगत विचारणीय विषय	15
3	बुध, गुरु, शुक्र ग्रहों से गोचरगत विचारणीय विषय	15
4	शनि, राहु,केतु ग्रहों से गोचरगत विचारणीय विषय	15
5	शनि साढे साती एवं ढैय्या विचार	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

द्वितीय सत्र (2th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **अष्टम पत्र CC-08** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

अष्टम पत्र CC-8	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्यविषय**	**अङ्क**
1	विविध दशा अन्तर्दशा साधन एवं फल विचार	15
2	विंशोत्तरी दशासाधन	15
3	अष्टोत्तरी, योगिनीदशा साधन	15
4	वर्षलग्न साधन, ताजिक दृष्टि विचार, पञ्चाधिकारी एवं वर्षेशनिर्णय	15
5	त्रिपताकी चक्र, मुद्दादशा साधन	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

द्वितीय सत्र (2th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क – 75+25=100 **नवम पत्र CC-09** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

नवम पत्र CC -9	**पी.जी.डी. ज्योतिष**	**पूर्णाङ्क 75+25=100**
पाठ्यविभाग	**पाठ्य विषय**	**अङ्क**
1	मेलापक विचार- ग्रह मेलापक एवं नक्षत्र मेलापक के आधार पर अष्टकूट विचार	15
2	मुहूर्त्त विचार – षोडश संस्कार	15
3	यात्रा, गृहारम्भ, गृहप्रवेश,क्रय-विक्रयादि मुहूर्त्त विचार	15
4	मांगलिक विचार	15
5	चन्द्र एवं शुक्र से मांगलिक की वैज्ञानिकता	15
6	**अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन**	25

द्वितीय सत्र (2th Semester)

विषय- **पी. जी. डिप्लोमा ज्योतिष**

पूर्णाङ्क –100 **दशम पत्र CC-10** **अर्जिताधिकार(क्रेडिट) -04**

दशम पत्र CC-10	प्रायोगिक -मौखिक वाक् परीक्षा / रीसर्च प्रोजेक्ट / लघु शोध	पूर्णाङ्क 100	अर्जिताधिकार(क्रेडिट) 06

अनुशिक्षण (Tutorial) आन्तरिक-मूल्याङ्कन के 25 अङ्कों का विभाजन निम्नवत है -

1. आन्तरिक प्रशिक्षण/प्रदत्त नियत कार्य = 10
2. शास्त्र सम्बन्ध सङ्गोष्ठी/शास्त्र परिचर्चा = 5
3. शिक्षणस्रोत सामग्री चयन और प्रबन्धन = 5
4. उपस्थिति –
   75%=1 अंक, 76-80%=2अंक,
   81-85%=3अंक, 86-90%=4अंक,
   91% से अधिक =5अंक।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

1. भारतीय ज्योतिष – नेमिचन्द शास्त्री
2. भारतीय ज्योतिष – शिवनाथ झारखण्डी
3. भारतीय कुण्डली विज्ञान लेखक- मीठा लाल हिमन्तराम ओझा
4. ज्योतिष पीयूष- म.म. पं. कल्याणदत्त शर्मा
5. लघुजातक – आचार्य वरामिहिर
6. लघु पाराशरी- चौखम्बा प्रकाशन
7. जातक पारिजात -आचार्य वैद्यनाथ
8. बृहत्पाराशर होराशास्त्र – महर्षि पराशर
9. ताजिक नीलकण्ठी – आचार्य नीलकण्ठ
10. श्री केदार मानस पञ्चाङ्ग / अन्य पञ्चाङ्ग